i-NEXT PAGE 4

## एलयू में महिला विकास केंद्र

CONCEPT PIC

lucknow@inext.co.in

**LUCKNOW(3 June):** लखनऊ विश्वविद्यालय ने गुरुवार को एक नवीन महिला विकास केंद्र की स्थापना की. वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने प्रो. निशी पांडे को इस केंद्र का निदेशक नियुक्त किया है. महिला विकास केंद्र में बालिकाओं और महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वाभिमान, आर्थिक स्वावलंबन आदि की ओर प्रेरित करने का प्रयास किया जाएगा.

### सशक्त बनाने की कोशिश

वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि इस केंद्र में विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभ की जानकारी महिलाओं को दी जाएगी. साथ ही व्यवहारिकता से अवगत भी कराया जाएगा. महिलाओं को तकनीकी संसाधन के प्रयोग के लिए प्रेरित करने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के उत्थान एवं विकास के लिए काम किया जाएगा. वीसी के मुताबिक इस विकास केंद्र का एक दायित्व यह भी होगा कि महिलाओं के विरुद्ध समाज में व्याप्त परंपरागत कुरीतियों से उन्हें सजग किया जाएगा. इसी संदर्भ में लखनऊ विश्वविद्यालय एक गांव को भी गोद लेगा और नियमित कार्यशालाओं का आयोजन करेगा.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5 & 6

# लविवि में शुरू होगी बीफार्मा, डीफार्मा की पढ़ाई

## विवि ने संबद्धता के लिए फार्मेसी काउंसिल में किया आवेदन, बीफार्मा में 100 तो डीफार्मा में 60 सीटें प्रस्तावित

अक्षय कुमार

**लखनऊ।** लखनऊ विश्वविद्यालय नए सत्र 2021-22 से अपने यहां फार्मेसी की पढ़ाई शुरू करने जा रहा है। इसकी शुरुआत बीफार्मा व डीफार्मा कोर्स से होगी। विवि ने इन कोर्सों की पढ़ाई शुरू करने के लिए संबद्धता लेने को फार्मेसी काउंसिल में आवेदन कर दिया है। फिलहाल इसकी शुरुआत इंजीनियरिंग फैकल्टी के अंतर्गत होगी। जल्द ही जगह और बजट का भी निर्धारण कर दिया जाएगा।

कोरोना संकट में फार्मा की काफी डिमांड बढ़ी है। इस क्षेत्र में विद्यार्थियों के लिए बेहतर भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए लखनऊ विवि ने इसकी पढ़ाई शुरू करने का निर्णय लिया है। इस क्रम में विवि अपने न्यू कैंपस में इंजीनियरिंग फैकल्टी के अंतर्गत इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज की शुरुआत करने जा रहा है। रसायन विज्ञान विभाग के प्रो. नवीन खरे को पहले ही यहां निदेशक नियुक्त किया जा चुका है। यहां बीफार्मा और डीफार्मा की पढ़ाई शुरू होगी।

यह स्ववित्तपोषित कोर्स के रूप में चलेगा। फार्मेसी काउंसिल में इसकी संबद्धता के लिए आवेदन हो गए हैं। इसके अनुसार पहले साल बीफार्मा में 100 और डीफार्मा में 60 सीटें प्रस्तावित हैं। बीफार्मा चार साल का और डीफार्मा दो साल का होगा। इंजीनियरिंग की तरह इसके प्रवेश भी डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी (एकेटीयू) द्वारा आयोजित की जाने वाली केंद्रीयकृत प्रवेश काउंसिलिंग से करने की तैयारी है। आगे इसके बारे में और विस्तृत निर्णय लिया जाएगा। यही नहीं, इंस्टीट्यूट के लिए विश्वविद्यालय अलग बजट निर्धारण भी करने जा रहा है, जिसका विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है। शनिवार को वित्त समिति की बैठक में इस पर मुहर लगेगी।

### इंजीनियरिंग की नई बिल्डिंग के बगल मिली फार्मास्यूटिकल इंस्टीट्यूट के लिए जगह

विश्वविद्यालय ने न्यू कैंपस में इंजीनियरिंग संकाय के लिए अभी नई बिल्डिंग का निर्माण पूरा किया है। इसके बगल में फार्मास्यूटिकल इंस्टीट्यूट को जगह दी गई है। जगह और जमीन का निर्धारण हो गया है। विश्वविद्यालय द्वारा इसका विस्तृत प्लान तैयार कर जल्द ही एलडीए में नक्शा जमाकर एनओसी ली जाएगी। माना जा रहा है कि इसके बाद बजट आवंटित होने के बाद बिल्डिंग का काम भी शुरू किया जाएगा। तब तक इसकी क्लास इंजीनियरिंग के नए भवन के तृतीय और चतुर्थ तल पर चलेगी।

### 2017 में हुई थी इंजीनियरिंग की सफल शुरुआत

विश्वविद्यालय ने जुलाई 2017 में पांच स्ट्रीम में 60-60 सीटों के साथ इंजीनियरिंग फैकल्टी में बीटेक की शुरुआत की थी। इसके बाद यहां एमबीए और बीसीए कोर्स भी शिफ्ट कर दिया गया। बीटेक में कंप्यूटर साइंस की मांग को देखते हुए पहले 60 से 90 फिर 120 सीटें की गईं। इस साल से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में भी एक ब्रांच शुरू की जा रही है। बीसीए की सीटें भी 60 से बढ़कर 120 हो गई। पिछले साल यहां 580 सीटों पर प्रवेश हुआ है।

पूर्व में लविवि के पास केजीएमसी भी होता था। मैंने आने के बाद विवि का पुराना वैभव वापस लाने का प्रयास कर रहा हूं। इसी क्रम में पहले योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन की शुरुआत की। अब उसे पूर्णता देने के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज की स्थापना की जा रही है। इसके माध्यम से हम समाज को कुछ बेहतर दे सकेंगे। कोविड के समय में इस विधा की पढ़ाई की महत्ता और बढ़ जाती है। हमारे पास कई ऐसे विभाग हैं जो इसे पूर्णता प्रदान करने का काम करेंगे।

– प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, लविवि

HINDUSTAN PAGE 6

## अनाथ छात्रों की मदद करेगा विवि

**लखनऊ।** लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने यहां अध्ययनरत ऐसे विद्यार्थियों की मदद करने का फैसला लिया है जो करोना महामारी के दौरान अनाथ हो गए हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन विद्यार्थियों की सूची बना रहा है।

कोविड-19 की दूसरी लहर न केवल प्रदेश पर बल्कि पूरे भारतवर्ष पर एक बहुत बड़े खतरे के रूप में आज भी मंडरा रहा है। प्रदेश भर में कई लोगों की जान इस महामारी की वजह से गई है। इसी संदर्भ में विश्वविद्यालय परिवार के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए विवि प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण फैसला लिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन उन विद्यार्थियों की सूची बना रहा है, जिन्होंने कोविड-19 के वजह से अपने माता या पिता में से किसी एक को या फिर दोनों को खोया है।

## 'सेल्फी विद साइकिल' में जुटीं शिक्षिकाएं

माई सिटी रिपोर्टर

**लखनऊ।** विश्व साइकिल दिवस पर बृहस्पतिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से 'साइकिल विद सेल्फी' का आयोजन किया गया, जिसमें काफी संख्या में महिला शिक्षिकाओं ने भाग लिया। साथ ही अन्य शिक्षक व कर्मचारी भी साइकिल से कैंपस आए। कार्यक्रम समन्वयक प्रो. अमिता कन्नौजिया ने कहा कि आज के दिन का उद्देश्य लोगों का ध्यान इस तरफ आकर्षित करना है कि साइकिल से कोई प्रदूषण नहीं होता है।

### कोविड में अपनों को खोने वालों का डाटा जुटा रहा लविवि

**लखनऊ।** लखनऊ विश्वविद्यालय भी कोविड में अपनों को खोने वाले विद्यार्थियों का डाटा जुटा रहा है। ऐसे छात्र जिन्होंने कोरोना के चलते अपने माता-पिता या दोनों को खोया है। विश्वविद्यालय ऐसे विद्यार्थियों को फीस में छूट, हॉस्टल फीस में छूट जैसे कई प्रस्तावों पर विचार कर रहा है। हालांकि वह क्या सहयोग करेगा, यह विद्यार्थियों की संख्या पर निर्धारित करेगा। डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि किसी भी अभिभावक की अनुपस्थिति में विश्वविद्यालय परिवार अपने छात्रों के अभिभावक के रूप में कार्य करेगा। इसी क्रम में ऐसे विद्यार्थियों का डेटा तैयार कर रहा है ताकि उनका बेहतर सहयोग किया जा सके। (माई सिटी रिपोर्टर)

### योग एक स्वस्थ रहने का विज्ञान

**लखनऊ।** लखनऊ विश्वविद्यालय के योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा संकाय की ओर से योग दिवस के उपलक्ष्य में बृहस्पतिवार को योग एवं समग्र स्वास्थ्य विषयक बेविनार का आयोजन किया। अध्यक्षता संकाय समन्वयक डॉ. अमरजीत यादव ने की। प्रमुख वक्ता डॉ. उमेश कुमार शुक्ला ने अष्टांग योग का वैज्ञानिक एवं व्यवहारिक विवेचन करते हुए इसके फायदे बताए। समन्वयक डॉ. अमरजीत यादव ने बताया कि योग एक स्वस्थ रहने का विज्ञान है। योग के नियमित अभ्यास द्वारा समग्र स्वास्थ्य की रक्षा की जा सकती है। योग का उद्देश्य जीवन का सर्वांगीण विकास करना है। वेबिनार में डॉ. सत्येंद्र मिश्रा, डॉ. सौरभ चंद्रा, दीपा श्रीवास्तव, प्रशांत आदि ने सहभागिता की। (माई सिटी रिपोर्टर )

## महिला विकास केंद्र की पहली निदेशक निशी पांडे

**लखनऊ।** राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल की प्रेरणा से लखनऊ विश्वविद्यालय ने एक नवीन महिला विकास केंद्र की स्थापना की है। यह महिला विकास केंद्र औपचारिक कोर्स संचालित करने का केंद्र नहीं होगा बल्कि यहां पर बालिकाओं और महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वाभिमान, आर्थिक स्वाबलंबन आदि की ओर प्रेरित करने का प्रयास किया जाएगा। कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने केंद्र की पहली निदेशक के रूप में प्रोफेसर निशी पांडे को नियुक्त किया। केंद्र में विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ महिला जगत को अधिक से अधिक प्राप्त हो सके, इसका प्रयास होगा।

PIONEER PAGE 3

## कोविड से अनाथ हुए छात्रों की सूची तैयार करेगा लविवि

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**कोविड** की दूसरी लहर में सराहनीय पहल की है। विवि में अध्ययनरत ऐसे छात्र जो कोरोना के चलते अनाथ हो गए हैं की सूची तैयार कर मदद करने का निर्णय लिया है। इस दिशा में स्टूडेंट वेलफेयर डिपार्टमेंट ने पहल शुरू कर दी है।

विवि की डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो पूनम टंडन ने बताया कि समस्त विश्वविद्यालय परिवार ऐसे छात्रों की प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता है। किसी भी अभिभावक की अनुपस्थिति में विश्वविद्यालय परिवार के सभी शिक्षक छात्रों के अभिभावक के रूप में है कार्य करते हैं। इसीलिए छात्र कल्याण के लिए इस डाटा बेस को तैयार किया जा रहा है। विवि के प्रवक्ता प्रो दुर्गेश श्रीवास्तव के मुताबिक कोविड-19 की दूसरी लहर ना केवल उत्तर प्रदेश पर बल्कि पूरे भारतवर्ष पर एक बहुत बड़े खतरे के रूप में आज भी मंडरा रहा है। प्रदेश भर में कई लोगों की जान इस महामारी की वजह से गई है। इसी संदर्भ में विश्वविद्यालय परिवार के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह महत्वपूर्ण फैसला लिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन उन छात्रों की सूची बना रहा है जिन्होंने कोविड-19 के वजह से अपने माताए पिता या दोनों को खोया है। विश्वविद्यालय प्रशासन इस संबंध में विचार कर रहा है कि विश्वविद्यालय की तरफ से ऐसे छात्रों की किस तरह मदद की जा सकती है।

## लविवि में महिला विकास केंद्र की स्थापना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**प्रदेश की** राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल की पहल पर लविवि ने एक नवीन महिला विकास केंद्र की स्थापना की है। यह महिला विकास केंद्र औपचारिक कोर्स संचालित करने का केंद्र नहीं होगा बल्कि यहां पर बालिकाओं और महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वाभिमान, आर्थिक स्वावलंबन आदि की ओर प्रेरित करने का प्रयास किया जाएगा। विवि के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने इस महिला विकास केंद्र की पहली निदेशक के रूप में प्रोफेसर निशी पांडे को नियुक्त किया है। विवि के प्रवक्ता प्रो दुर्गेश श्रीवास्तव के मुताबिक इस केंद्र में विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ महिला जगत को अधिक से अधिक प्राप्त हो सके इसलिए इस बारे में उन्हें इनकी जानकारी और व्यवहारिकता से अवगत भी कराया जाएगा। महिलाओं को तकनीकी संसाधनों के प्रयोग के लिए प्रेरित करने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के उत्थान एवं विकास के लिए कार्य किया जाएगा और उनसे घुल मिलकर उनके समस्याओं को समझने व उन्हें दूर करने के लिए उन्हें सशक्त बनाने की कोशिश की जाएगी। इस विकास केंद्र का एक दायित्व यह भी होगा कि महिलाओं के विरुद्ध समाज में व्याप्त परंपरागत कुरीतियों से महिलाओं को सजग किया जाएगा और ऐसे विषयों पर उनसे ऐतिहासिक और आज के युग में सफल महिलाओं के दृष्टांत उद्धृत करते हुए विस्तृत चर्चा करके प्रेरित किया जाएगा। इसी संदर्भ में लविवि एक गांव को भी अंगीकृत करेगा और नियमित कार्यशालाओं का आयोजन करेगा जिसमें महिला सुरक्षा संबंधित सभी आयामों पर कार्य किए जाएंगे।

## लखनऊ विवि में महिला विकास केंद्र स्थापित

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने गुरुवार को एक नवीन महिला विकास केंद्र की स्थापना की। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने प्रोफेसर निशी पांडे को इस केंद्र का निदेशक नियुक्त किया है। महिला विकास केंद्र में बालिकाओं और महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वाभिमान, आर्थिक स्वावलंबन आदि की ओर प्रेरित करने का प्रयास किया जाएगा।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि इस केंद्र में विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभ की जानकारी महिलाओं को दी जाएगी। साथ ही व्यवहारिकता से अवगत भी कराया जाएगा। महिलाओं को तकनीकी संसाधनों के प्रयोग के लिए प्रेरित करने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के उत्थान एवं विकास के लिए कार्य किया जाएगा। उनसे घुल-मिलकर उनकी समस्याओं को समझने व उन्हें दूर करने के लिए उन्हें सशक्त बनाने की कोशिश की जाएगी। कुलपति के मुताबिक इस विकास केंद्र का एक दायित्व यह भी होगा कि महिलाओं के विरुद्ध समाज में व्याप्त परंपरागत कुरीतियों से उन्हें सजग किया जाएगा। इसी संदर्भ में लखनऊ विश्वविद्यालय एक गांव को भी गोद लेगा और नियमित कार्यशालाओं का आयोजन करेगा, जिसमें महिला सुरक्षा संबंधित सभी आयामों पर कार्य किए जाएंगे।

### निराश्रित छात्रों की मदद करेगा लविवि

शिया पीजी कालेज के बाद अब लखनऊ विश्वविद्यालय भी अपने उन छात्र-छात्राओं की मदद करेगा, जिनके माता-पिता का कोरोना से निधन हो गया है। इसके लिए विवि प्रशासन ने ऐसे छात्र-छात्राओं का डेटा बेस तैयार करना शुरू कर दिया है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि विश्वविद्यालय उन छात्रों की सूची बना रहा है, जिन्होंने कोविड-19 के वजह से अपने माता, पिता या दोनों को खोया है। यह विचार किया जा रहा है कि ऐसे छात्रों की क्या मदद की जाए।

### आरटीआइ सेल के निदेशक बने डा. वरुण छांछर

लखनऊ विश्वविद्यालय के शंकर दयाल शर्मा इंस्टीट्यूट आफ डेमोक्रेसी संस्थान के निदेशक एवं विधि विभाग के सहायक आचार्य डा. वरुण छांछर को आरटीआइ सेल का निदेशक बनाया गया है। इस संबंध में लविवि के कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने आदेश जारी कर दिया है।

JAGRAN CITY PAGE I

## 'पर्यावरण बचाने के लिए चलाएं साइकिल'

**जासं, लखनऊ:** विश्व साइकिल दिवस पर गुरुवार को लखनऊ विवि में सेल्फी विद साइकिल कार्यक्रम के तहत शिक्षकों ने साइकिल चलाकर फोटो भेजी। विवि के इंस्टीट्यूट आफ वाइलड साइंसेस की प्रो.अमिता कनौजिया ने बताया कि साइकिल स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। लविवि की छात्र कल्याण की डीन प्रो.पूनम टंडन, प्रो. मनुका खन्ना, डीन शोध प्रो.मोनिषा बनर्जी सहित कई रिसर्च स्कालर ने साइकिल के साथ सेल्फी भेजकर प्रेरित किया।

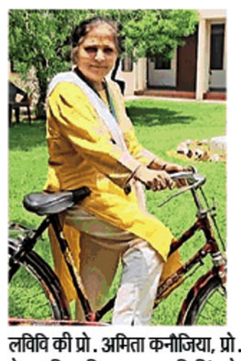

लविवि की प्रो. अमिता कनौजिया, प्रो. मनुका खन्ना, प्रो. पूनम टंडन व प्रो. मोनिषा बनर्जी (बाएं से दाएं) ने साइकिल दिवस पर साइकिलिंग के लिए लोगों को प्रेरित किया • फोटो सौजन्य स्वयं

THE PIONEER PAGE 3

## LU to help students orphaned by Covid

PNS ■ LUCKNOW

The Lucknow University administration is compiling a list of students who have lost their mother or father or both to COVID-19. The LU administration is currently discussing ideas as to what should be the course of action for the maximum benefit of such students.

DSW Prof Poonam Tandon said the entire LU fraternity is concerned about the well-being of such students and wants to shoulder the responsibility seriously as they are of the view that in the absence of parents and guardians, teachers are the protectors of their students. She also said that the decision to benefit the maximum number of students would be taken by the administration soon.

"COVID-19 has wreaked havoc not just in Uttar Pradesh but throughout the country. Across the state, several people have lost their lives and livelihood due to the second wave," she added.

FIRST INDIA PAGE 3

## Lucknow Univ as a guardian for students

First India Bureau

**Lucknow:** Covid-19 has wrecked havoc not just in Uttar Pradesh but in the entire country. In this regards, Lucknow University administration has taken significant decisions towards observing its duties to the university family. The Lucknow University administration is compiling a list of students of the university who have lost their mother, father or both due to the covid-19 pandemic. The administration is discussing ideas so that maximum benefit can be given to such students. The Dean of Students' Welfare Prof. Poonam Tandon said that University fis concerned about the well being of such students and in the absence of parents and guardians, teachers are the protectors of their students.

## For women's welfare & devp

First India Bureau

**Lucknow:**Inspired by the honorable Chancellor of University of Lucknow & Her Excellency Governor of Uttar Pradesh Shrimati Anandi Ben Patel, the University of Lucknow has started a new Women's Development Centre. As per the directions of the Honorable Chancellor, Women's Development Centre will not be running any official classes but will be responsible for inspiring girls and women of the state.